सर्व धर्म सम्मेलन - गांधीधाम (कच्छ-गुजरात) का संक्षिप्त समाचार

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के आदीपूर स्थित शिव कल्याणी भवन में दिनांकः 23-3-2014 रविवार के दिन सांय 5-30 बजे सर्व धर्म सम्मेलन के अंर्तगत विश्व शान्ति सद्भावना समारोह का आयोजन किया गया था। समारोह के अध्यक्ष माउण्ट आबू के धार्मिक प्रभाग के संयोजक **ब्रह्माकुमार रामनाथ जी** तथा मुख्य अतिथि में मुलुंड सबजोन इन्चार्ज **ब्र.कु. गोदावरी दीदी जी**, आबू पर्वत के प्रशासक सेवा प्रभाग के संयोजक **ब्र.कु. हरीश भाई,** ठाणा के समाज सेवक **श्री नानजी खीमजी ठक्कर**, **प.पू. त्रीकमदास जी महाराज**, **प.पू. रामदास जी महाराज**, राजकोट के **स्वामी विश्वानंद**, मुस्लीम समाज के अग्रणी **भ्राता हाजी जूमा रायमा जी**, कथाकार **हीरेनभाई पंचाल**, अदाणी समाज सेविका **श्रीमति तुलसी सुजान जी**, महेश्वरी समाज के अग्रणी **भ्राता वेरशी मातंग जी**, **ज्ञानी मंजीत सिंह जी**, जैन समाज के अग्रणी **भ्राता निवेष जी**, **ब्र.कु. लाजवंती बहन**, **ब्र.कु. मीना बहन, ब्र.कु. सरला बहन, ब्र.कु. भारती बहन, ब्र.कु. बाबु भाई** तथा स्थानिक अग्रणी उपस्थित हुए थे।

ब्र.कु. रामनाथ भाई ने अपने वक्तव्य में धर्म की परिभाषा समझाते हुए कहा कि, सभी धर्मों से लोगों में उठ रहे प्रश्नों का निवारण करते हुए संस्था के विषय में कहा कि, दुनिया में सिर्फ भौतिक ज्ञान की बातें होती है, लेकिन यहाँ आध्यात्मिक ज्ञान सिखाया जाता हैं। मुस्लीम समाज के अग्रणी भ्राता जुमा रायमा जी ने कहा कि इस संस्था के द्वारा फैलाया जा रहा शान्ति संदेश चारों ओर फैल रहा है, जिसमें मेरा और मेरे समाज का पूरा सहयोग रहेगा। श्रीमती तुलसी सुजान जी ने कहा कि ये बहुत सुंदर आयोजन है और मैं जब भी इस संस्था में आती हूँ या इस संस्था के लोगों से जुडती हूँ, मुझे बेहद शांन्ति की अनुभूति होती है और मेरी ये कोशिष रहेगी कि मुझसे जुड़े लोगों को इस संस्था से जोड़ दूँ।

जैन समाज के **नितेष भाई** ने कहा कि किसी धर्म को छोटा या बड़ा मानना ये अपनी अज्ञानता दर्शाता है। सर्व धर्म समान है। कथाकार हीरेन भाई ने कहा कि अंधेरा घना है लेकिन दीपक जलाना कहा मना है। इस संस्था के द्वारा जलाया गया शान्ति का दीपक विश्व में अंधेरा दूर करेगा।

भ्राता वेरशी मातंग जी ने कहा कि इस संस्था के कार्य बहुत ही प्रशांसनीय है। जहाँ ये लोग सिर्फ सुधारने की बातें करते हैं, जबकि यहाँ खुद बदल कर दूसरों को बदला जाता है। **श्री नानजी ठक्कर** ने कहा कि, इस विश्व शान्ति धर्म सम्मेलन से धर्मों के आपसी मतभेद दूर होंगे। **प.पू. रामदास जी महाराज** ने कहा कि मैं माउण्ट में सम्मेलन में हिस्सा ले चुका हूँ और आपकी संस्था सच में कमाल कर रही है।

समारोह की मुख्य अतिथि **ब्र.कु. गोदावरी दीदी जी** ने कहा कि लम्बे समय से लिया हुआ धर्म सम्मेलन का संकल्प पूरा हुआ। **ब्र.कु. भारती बहन** ने धर्म सम्मेलन में आये सभी मेहमानों का स्वागत किया। **ब्र.कु. लाजू बहन** ने धर्म सम्मेलन के विषय को स्पष्ट किया। आबू पर्वत से पधारे **ब्र.कु. हरीश भाई** ने अंत में सबको यह संदेश दिया कि, सभी धर्मों की आत्माओं के परमपिता परमात्मा अभी अपने गीता में दिये हुए वचन अनुसार इस सृष्टि पर अपना कार्य कर रहे हैं, इस कार्य में हम सबको सहयोग देकर, अपना भाग्य बना लेना चाहिए। अंत में **ब्र.कु. बाबु भाई** ने सभी का आभार दर्शन किया। समारोह का सुन्दर संचालन **ब्र.कु. सरला बहन**, मुम्बई ने किया।